सखी मंडल से समृद्धि
आजीविका
www.panchayatnama.com
पंचायतनामा
16-31 मई, 2018

आजीविका एवं कौशल विकास मेले में मुख्यमंत्री ने कहा

महिलाओं को देश की शक्ति बनाने का लक्ष्य

पंचायतनामा डेस्क

ग्राम स्वराज अभियान के समापन के अवसर पर रांची के धुर्वा स्थित नेहरू स्टेडियम में आजीविका एवं कौशल विकास मेले का आयोजन हुआ. इस मेले में देश भर की सखी मंडल की सदस्यों ने जहां अपनी कहानी बतायी, वहीं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने ग्रामीण महिलाओं समेत युवक-युवतियों के उत्थान के लिए हरसंभव सहयोग की बात कही.

राजधानी रांची के धुर्वा में आयोजित आजीविका एवं कौशल विकास मेले में शिरकत करने पहुंची सखी मंडल की सदस्य. फोटो । छोटू सिंह

एकल मंच तैयार करने पर जोर

आजीविका एवं कौशल विकास से जोड़ कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है. उद्योग के लिए सिंगल विंडो सिस्टम की तर्ज पर आजीविका और कौशल विकास के लिए एकल मंच तैयार होगा, ताकि राज्य के गरीबों को स्वरोजगार से जोड़ कर उन्हें बीपीएल श्रेणी से मुक्त कराया जा सके. इस एकल मंच में बैंक, औद्योगिक साझीदार, माइक्रो वित्तीय संस्थान और कौशल प्रदान करनेवाली संस्थाएं शामिल होंगी. राज्य के हर बीपीएल परिवार की एक बहन को आजीविका और कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है. गरीबी समाप्त करने में कौशल विकास एक सशक्त माध्यम है. इसलिए राज्य सरकार इस पर विशेष फोकस कर रही है.

सवा लाख से अधिक सखी मंडल गठित

सरकार महिलाओं को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार से जोड़ रही है. अभी राज्य में सवा लाख से अधिक सखी मंडलों का गठन किया जा चुका है. इससे 17 लाख परिवार जुड़े हैं. महिलाएं परिवार की शक्ति हैं. इन्हें समाज, राज्य और देश की शक्ति बनाना है.

मीठी क्रांति के लिए उपयुक्त है झारखंड

मीठी क्रांति यानी मधु उत्पाद के लिए झारखंड सबसे बेहतरीन जगह है. यहां 10 हजार किसानों को इससे जोड़ने का लक्ष्य है. 600 किसानों को मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जा चुका है. राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से मधुमक्खी पालन के लिए अतिरिक्त बॉक्स देने की मांग की है, ताकि इसमें और तेजी आ सके. राज्य में काफी मात्रा में कुकुन होता है. महिलाओं को प्रशिक्षित कर सूत का उत्पादन बढ़ाया जा रहा है. इसके लिए राज्य के नौ जिलों में प्रोसेसिंग प्लांट लगेगा.

ग्रामीण विकास में अच्छा कार्य कर रही सरकार : केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि ग्रामीण विकास के क्षेत्र में झारखंड बेहतरीन काम कर रहा है. यहां प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इस वर्ष 1700 बसावटों को जोड़ने का लक्ष्य था. मुख्यमंत्री रघुवर दास के नेतृत्व में बेहतर कार्य करते हुए 1712 बसावटों को जोड़ा गया है. इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य में पांच लाख आवास बनाये जाने हैं. झारखंड में अब तक 1.76 लाख मकान तैयार कर गरीबों को सौंपे जा चुके हैं. एडवांस प्लानिंग कर मनरेगा के तहत केंद्र से मिले 3300 करोड़ रुपये का सदुपयोग करते हुए जल संरक्षण के क्षेत्र में बेहतरीन काम किया गया है. झारखंड विकास की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है. केंद्र सरकार यहां पैसों की कमी नहीं आने देगी.

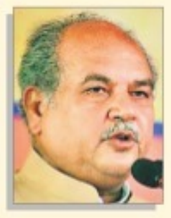

वर्ष 2020 तक राज्य में कोई नहीं रहेगा बेघर : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संकल्प से सिद्धि के तहत आह्वान किया है कि वर्ष 2022 तक देश में कोई बेघर, बेदवा, बेरोजगार, बेशिक्षा न रहे. राज्य सरकार इसी को ध्येय बनाकर काम कर रही है. हमारा लक्ष्य है कि वर्ष 2020 तक राज्य में कोई भी गरीब बेघर नहीं रहेगा. प्राकृतिक संसाधन और मेहनतकश मानव बल से संपन्न झारखंड की गोद से गरीबी को समाप्त करना हमारा संकल्प है. 14 अप्रैल से शुरू हुए ग्राम स्वराज अभियान के तहत राज्य के अति पिछड़े 252 गांव में सरकार की सारी योजनाओं को लागू किया गया है. इसका व्यापक असर दिख रहा है. राज्य के हर बीपीएल परिवार की एक बहन को आजीविका व कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है. गरीबी समाप्त करने में कौशल विकास एक सशक्त माध्यम है. इसलिए राज्य सरकार इस पर विशेष फोकस कर रही है.

दो लाख सखी मंडलों का होगा गठन : नीलकंठ

राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि सशक्त ग्रामीणों से ही सशक्त गांव व समाज का निर्माण संभव है. इसके लिए राज्य भर के गांवों में सखी मंडलों का गठन कर गांव की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है. इसका असर भी हुआ है. अभी एक लाख 32 हजार सखी मंडल कार्यरत हैं. उन्होंने कहा कि अगले साल तक दो लाख सखी मंडलों का गठन कर इससे जुड़ी दीदियों को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है. पिछले एक साल के अंदर एक लाख 72 हजार प्रधानमंत्री आवास का निर्माण किया गया है. मनरेगा के क्षेत्र से 54 हजार सखी मंडल की बहनें जुड़ी हैं. इस दौरान अधिक से अधिक योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में देने पर जोर दिया जा रहा है. साढ़े तीन साल से ग्रामीण क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है.

दीदियों की सफलता है चौंकाने वाली : परितोष

जेएसएलपीएस के सीइओ परितोष उपाध्याय ने कहा कि गांव में रहने वाली सखी मंडल की दीदियां देखने में बिल्कुल साधारण दिखेंगी, लेकिन उनकी सफलता आपको सोचने पर मजबूर कर देगी. घर में रहनेवाली दीदियों को समूह से हुनर और कुछ करने का मौका मिला, तो उन्होंने साबित कर दिया कि वह किसी से कम नहीं हैं. गांव-समाज में सामाजिक बदलाव की कहानी लिख रही दीदियों से सखी मंडल की सभी दीदियों समेत अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा लेने की जरूरत है. उनकी भी जिंदगी चुटकी में बदल सकती है. सखी मंडल से समृद्धि की गवाह इन दीदियों को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित करने के साथ-साथ अन्य दीदियों को बेहतर करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया है. महिला शक्ति से ही गांवों में खुशहाली आयेगी.